

असाधाररा EXTRAORDINARY

NIN II.—WOR 3.—SU-WOR (1)
PART II.—Section 3.—Sub-section (i)

## प्राधिकार से प्रकारिकत PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 516] मई विस्ती, सोमबार, नवस्बर 25, 1985/अग्रहायण 4, 1907 No. 516] NEW DELHI, MONDAY, NOV. 25, 1985/AGRAHAYANA 4, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की बाती है जिससे कि यह अलग संकलम के क्य में रक्षा का सके ।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विस मंजासय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 25 नवम्बर, 1985

# बंधिसूचना

सा. का. नि. 869 (अ) — लोक ऋण नियमावली, 1946 के नियम 4 के खंड (ख) द्वारा प्रवस्त गस्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतवद्वारा यह विनिदिष्ट करती है कि लोक ऋण अधिनियम, 1944 (1944 का 18) की घारा 2 के खंड 2 के उप-खंड (का) के प्रयोजनों के लिए सरकारी प्रतिभृति का प्रकप (फाम) निम्नलिखित होगा, अर्थात् :—

"प्ररूप

### मारत सरकार

# राष्ट्रीयकृत गैक-7.75 प्रतिशत विशेष प्रतिभूति

संख्या ' ' ' विनोक्

2. उपर्युक्त राशि पर इस नोट की तारीख से इस नोट के उल्मोचन की तारीख के ठीक पहले की तारीख तक 7.75 प्रतिशत प्रतिवर्ध की दर से व्याज दिया जाएगा। व्याज छमाही आधार पर प्रत्येक वर्ष \*\*\*\* सितम्बर और \*\*\*\*\*\*\* मार्च को अदा किया काएका।

3. यह मोट अपरकाम्य है।

भारत के राष्ट्रपति के आवेश से

गवर्नर भारतीय रिजर्व वैंक''

[संख्या एफ. 4 (24)-बन्ध्यू. एक्ब एम./85] ए. रंगाचारी, संयुक्त सचिव

#### MINISTSRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 25th November, 1985

### NOTIFICATION

G.S.R. \$69 (E):—In exercise of the powers conferred by clause (b) of rule 4 of the Public Debt Rules, 1946, the Central Government hereby specifies that the following shall be the form of Government security for the purposes of sub-clause (b) of clause (2) of section 2 of the Public Debt Act. 1944 (18 of 1944), namely:—

# "FORM

GOVERNMENT OF INDIA	
Nationalised Banks-7.75% Special Security	
Nodated the	
The President of India hereby promises to pay to	d
2. Interest at the rate of 7.75% per annum would be paid on the aforesaid amount from the date of this Note to the date immediate proceeding the date on which the Note is discharged. Interest would to paid half-yearly on	ly Xo
3. This Note is non-negotiable.	
By Order of the President of Indi	а

[No. F. 4(24)-W&M/85] A. RANGACHARI, Jt, Socy.

1	